दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 16-09-2025

शिक्षा की बैठक • सीआरएसयू शैक्षणिक परिषद की मीटिंग में कई फैसलों पर सहमति

यूजी और पीजी अंतिम सेमेस्टर के पुन: परीक्षा देने वाले छात्रों को मिल सकेगा मर्सी चांस

भास्कर न्यूज | जींद

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुन: परीक्षा देने वाले छात्रों को मौका मिल सकेगा। सीआरएसयू में आयोजित 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 एक ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों।' स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है। बैठक में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की गई छात्र-केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं, जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि को भी रेखांकित किया गया। बैठक में सभी शैक्षणिक परिषद सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में इन निर्णयों को मिली मंजूरी

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं को मंजूरी
- शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड/बीएससी बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा, और एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को स्वीकृति।
- कॉलेजों को बीबीए, बीएससी. कंप्यूटर साइंस, और बीएससी. स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता का निर्णय। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।
- विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुन: परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई।

पंजाब केसरी

Date – 16/09/2025

सी.आर.एस.यू. शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित

परिषद की मीटिंग में मौजूद सदस्य।

जींद, 15 सितम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सी.आर.एस.यू.) जींद ने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी की अध्यक्षता में अपनी 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की। कुलगुरु ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण का खाका है।

इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रैडिट प्रणाली, व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है, जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यू.टी.डी.) और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं और पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बी.एड., बी.एड. विशेष शिक्षा, बी.ए. बी.एड./बी.एससी. बी.एड., एम.एड., एम.एड. विशेष शिक्षा और एम.पी.ई.एस. के प्रॉस्पैक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न शिक्षा कॉलेजों को बी.बी.ए., बी.एससी. कंप्यूटर साइंस, और बी.एससी. स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यू.जी.) और स्नातकोत्तर (पी.जी.) कार्यक्रमों के अंतिम सैमेस्टर के पुन: परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं, जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि, को भी रेखांकित किया गया। सत्र दौरान चर्चाएं जीवंत थीं, जिसमें सदस्यों ने शिक्षा की गुणवत्ता को और ऊंचा करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

दैनिक जागरण

Date – 16/09/2025

एनईपी के अनुरूप पाठ्यक्रमों और योजनाओं को दी मंजूरी

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी की अध्यक्षता में 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक की। वीसी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों।

स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान व अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है। जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा। विश्वविद्यालय परिसर में हुई इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कालेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं व पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी। इसके साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड, बीएससी. बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा और एमपीईएस के प्रोस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की। बैठक में विभिन्न शिक्षा कालेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया। शैक्षिक कालेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी की अध्यक्षता में हुई 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का वृत्तचित्र किया प्रस्तुत

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया। इस वृत्तचित्र में शैक्षणिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मील के पत्थर दिखाए गए। वृत्तचित्र में पूर्व विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की प्रशंसा भी शामिल थीं। परिषद के सदस्यों ने इसकी सराहना की और इसे विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की छात्र केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं जैसे आनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग– शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि को भी रेखांकित किया गया।

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कालेजों के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी।

समाचार ही नहीं, विचार भी

Date – 16/09/2025

सीआरएसयू शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित

यूजी और पीजी अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वालों को मिलेगा मर्सी चांस

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका: सैनी

एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की

जींद। परिषद की मीटिंग में मौजूद सदस्य। फोटो:हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ;सीआरएसयूद्ध जींद ने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी की अध्यक्षता में अपनी 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित की। प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं और पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड, बीएससी बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा और एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न शिक्षा कॉलेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।

मर्सी चांस की स्वीकृति दी

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। इस वृत्तचित्र में शैक्षणिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास, छात्रों की उपलब्धियों, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मील के पत्थर दिखाए गए। वृत्तचित्र में पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों की प्रशंसाएं भी शामिल थी। जो सीआरएसयू की उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। परिषद के सदस्यों ने इसकी सराहना की और इसे विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की गई छात्र केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि को भी रेखांकित किया गया।

अमर उजाला

Date – 16/09/2025

यूजी-पीजी अंतिम सेमेस्टर वालों को मिलेगा मर्सी चांस

चौधरी रणबीर सिंह विवि की शैक्षणिक परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

संवाद न्यूज एजेंसी

सीआरएसयू में परिषद की मीटिंग में मौजूद सदस्य। स्रोत : विवि

जींद। शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर की दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए मर्सी चांस की स्वीकृति दी गई। यह निर्णय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. रामपाल सैनी की अध्यक्षता में हुई 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में हुआ।

इस दौरान प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों।

स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभांवित करेगा।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं तथा पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड, बीएससी बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा और एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में विभिन्न शिक्षा कॉलेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

इसके अतिरिक्त शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।

India Timer

Date – 16/09/2025

सीआरएसयू में हुई शैक्षणिक परिषद की बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों और योजनाओं को मंजूरी

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय यानि सीआरएसयू ने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी की अध्यक्षता में 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान प्रो. राम पाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा, कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 एक ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है, जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं और पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बी.एड., बी.एड. विशेष शिक्षा, बी.ए. बी.एड.,बी.एससी. बी.एड., एम.एड., एम.एड. विशेष शिक्षा, और एम.पी.ई.एस. के प्रॉस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न शिक्षा कॉलेजों को बीबीए, बी.एससी. कंप्यूटर साइंस, और बी.एससी. स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुन-परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। इस वृत्तचित्र में शैक्षणिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास, छात्रों की उपलब्धियों, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मील के पत्थर दिखाए गए। वृत्तचित्र में पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों की प्रशंसाएं भी शामिल थीं, जो सीआरएसयू की उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। परिषद के सदस्यों ने इसकी सराहना की और इसे विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की गई छात्र-केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं, जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि, को भी रेखांकित किया गया। सत्र के दौरान चर्चाएं जीवंत थीं, जिसमें सदस्यों ने शिक्षा की गुणवत्ता को और ऊंचा करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।